



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2015

HINDI HOME LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours

70 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 7 pages. Please check that your paper is complete.
 2. Read the instruction to each question carefully.
 3. Answer all sections.
 4. All answers must be written in the Hindi script.
 5. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your Answer Book.
-

प्रश्न एक

१. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए।

अहिंसा और सत्य के पुजारी महात्मा गांधी

अहिंसा को अपना धर्म मानने वाले मोहनदास कर्मचंद गांधी नेता थे। सत्याग्रह, अहिंसा और सादगी को ही एक सफल मनुष्य जीवन का मूल मंत्र मानने वाले गांधी जी के इन्हीं आदर्शों से प्रभावित होने के बाद रबिंद्रनाथ टैगोर ने पहली बार उन्हें महात्मा अर्थात् महान आत्मा का दर्जा दिया था। गांधी जी ने अपना जीवन सत्य की व्यापक खोज में समर्पित कर दिया था। अपने इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उन्होंने स्वयं अपनी गलतियों पर प्रयोग करना प्रारंभ किया।

अपने अनुभवों को उन्होंने अपनी आत्मकथा “माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ” में संकलित किया था। अंग्रेजी शासनकाल में गांधी जी के नेतृत्व में देशभर में महिलाओं के अधिकारों और धार्मिक एवं जातीय एकता को बढ़ावा देने के लिए कई आंदोलन चलाए गए। उन्होंने अस्पृश्यता को जड़ से समाप्त करने के लिए भी कई यात्राएं कीं। लेकिन विदेशी शासन से मुक्ति दिला भारत की जनता को आजाद कराना ही महात्मा गांधी का सबसे प्रमुख लक्ष्य था। गांधी जी ने ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों पर लगाए गए नमक कर के विरोध में 1930 में दांडी मार्च और 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में भारतीय स्वतंत्र सेनानियों का नेतृत्व कर प्रसिद्धि प्राप्त की।

महात्मा गांधी का जीवन परिचय

महात्मा गांधी के नाम से लोकप्रिय मोहनदास कर्मचंद गांधी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को पोरबंदर गुजरात में हुआ था। पोरबंदर उस समय ब्रिटिश

शासन के अंतर्गत बंबई प्रेसिडेंसी का एक भाग था. उनके पैतृक घर को आज कीर्ति मंदिर के नाम से जाना जाता है. महात्मा गांधी के पिता कर्मचंद गांधी पोरबंदर राज्य के दीवान थे. उस समय समाज में बाल विवाह का प्रचलन था. इसी प्रथा का अनुसरण करते हुए बाल्यावस्था में ही महात्मा गांधी का विवाह कस्तूरबा गांधी से संपन्न हुआ था. कस्तूरबा गांधी को महात्मा गांधी के अनुयायी और जनता "बा" के नाम से पुकारती थी. जब महात्मा गांधी पंद्रह वर्ष के थे तब उनकी पहली संतान का जन्म हुआ. लेकिन कुछ ही दिनों में उसकी मृत्यु हो गई. इस घटना के एक वर्ष के भीतर ही मोहनदास कर्मचंद के पिता का भी निधन हो गया था. इसके बाद कस्तूरबा गांधी और महात्मा गांधी के चार पुत्र हुए. एक औसत विद्यार्थी के तौर पर महात्मा गांधी ने पोरबंदर से प्राथमिक और राजकोट से हाई स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की थी. मोहनदास कर्मचंद का परिवार उन्हें बैरिस्टर बनाना चाहता था. लेकिन वह पढ़ाई में ज्यादा रुचि नहीं रखते थे. इसीलिए कई परेशानियों के बाद उन्होंने भावनगर स्थित सामलदास कॉलेज से मैट्रिक की परीक्षा पास की. 4 सितंबर, 1888 को गांधी जी लंदन स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज में कानून की पढ़ाई करने और बैरिस्टर की ट्रेनिंग लेने के लिए इंग्लैंड चले गए. लंदन में रहने के दौरान महात्मा गांधी ने अपने पहनावे और बोलचाल में विदेशी संस्कृति को ग्रहण कर लिया था लेकिन खान-पान के मामले में वह शुद्ध शाकाहारी ही थे. किंतु जल्द ही उन्हें अपनी माता के गुजर जाने का समाचार प्राप्त हुआ. उन्हें वापस भारत आना पड़ा.

- १.१ गांधीजी क्या मानते थे ? इस का वर्णन कीजिए । (४)
- १.२ किसने पहली बार गांधीजी को महात्मा कहलाया । (४)
- १.३ "खान पान" इसका अर्थ विस्तार पूर्वक सझाइए । (४)
- १.४ महात्मा गांधीजी का लक्ष्य क्या था ? (४)
- १.५ समानार्थी शब्द लिखिए ।
- १.५.१ मनुष्य १.५.२ स्कूल
- १.५.३ विद्यार्थी १.५.४ समय (४)

१.६ अवतरण में से विलोल शब्द लिखिए ।

१.६.१ जीवन १.६.२ शाकाहारी

१.६.३ माता १.६.४ उत्तीर्ण

(४)

१.७ लोग महत्मा गांधी को अहिंसा और सत्य के पुजारी क्यों कहलाते थे ।

(६)

(३०)

प्रश्न दो

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विवरण कीजिए ।

भारत जब भी अपने आजाद होने पर गर्व महसूस करता है तो उसका सर उन महापुरुषों के लिए हमेशा झुकता है जिन्होंने देश प्रेम की राह में अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया. देश के स्वतंत्रता संग्राम में हजारों ऐसे नौजवान भी थे जिन्होंने ताकत के बल पर आजादी दिलाने की ठानी और क्रांतिकारी कहलाए. भारत में जब भी क्रांतिकारियों का नाम लिया जाता है तो सबसे पहला नाम शहीद भगत सिंह का आता है.

शहीद भगत सिंह ने ही देश के नौजवानों में ऊर्जा का ऐसा गुबार भरा कि विदेशी हुकूमत को इनसे डर लगने लगा. हाथ जोड़कर निवेदन करने की जगह लोहे से लोहा लेने की आग के साथ आजादी की लड़ाई में कूदने वाले भगत सिंह की दिलेरी की कहानियां आज भी हमारे अंदर देशभक्ति की आग जलाती हैं. माना जाता है अगर उस समय देश के बड़े नेताओं ने भी भगतसिंह और उनके क्रांतिकारी साथियों का सहयोग किया होता तो देश वक्त से पहले आजाद हो जाता और तब शायद हम और अधिक गर्व महसूस करते. लेकिन देश के एक नौजवान क्रांतिकारी को अंग्रेजों ने फांसी की सजा दे दी. लेकिन मरने के बाद भी भगत सिंह मरे नहीं. आज के नेताओं में जहां हम हमेशा छल और कपट की भावना देखते हैं जो मुंबई हमलों के बाद भी अपना स्वाभिमान और गुस्से को

ताक पर रख कर बैठे हैं, उनके लिए भगत सिंह एक आदर्श शख्सियत हैं जिनसे उन्हें सीख लेनी चाहिए.

भगतसिंह का जीवन

भारत की आजादी के इतिहास में अमर शहीद भगत सिंह का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया है. भगतसिंह का जन्म 28 सितम्बर, 1907 को पंजाब के जिला लायलपुर में बंगा गांव (जो अब पाकिस्तान में है) में हुआ था. भगतसिंह के पिता का नाम सरदार किशन सिंह और माता का नाम सरदारनी विद्यावती कौर था. उनके पिता और उनके दो चाचा अजीत सिंह तथा स्वर्ण सिंह भी अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की लड़ाई का एक हिस्सा थे. जिस समय भगत सिंह का जन्म हुआ उस समय ही उनके पिता एवं चाचा को जेल से रिहा किया गया था. भगतसिंह की दादी ने बच्चे का नाम भागां वाला (अच्छे भाग्य वाला) रखा. बाद में उन्हें भगतसिंह कहा जाने लगा. एक देशभक्त परिवार में जन्म लेने की वजह से ही भगतसिंह को देशभक्ति का पाठ विरासत के तौर पर मिला.

(१०)

प्रश्न ३

३.१ निम्न विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

चिंता किस बात की
जब हमारे पास है हर समस्या का समाधान

भारत के प्रसिद्ध ज्योतिषी

आर.के. शास्त्री

फोन करें
चिन्ताओं से हों
मुक्त

समाधान और गोपनीयता की
100% गारंटी



पूजा यहां पर और प्रभाव जहां आप बैठे हैं

तुरन्त समाधान:	विशेषज्ञ:
व्यवसाय, नौकरी संबंधी समस्या	प्रेम विवाह, पति-पत्नी विवाद
बिगड़े हुए बच्चे	सेक्स संबंधी समस्याएँ
पारिवारिक विवाद, दुश्मनी	स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ
विवाहेत्तर संबंध	कैरियर में मांसिक तनाव
	बिजनेस, लॉटरी आदि

ज्योतिष में छुपा है जिंदगी की सब पहेलियों का उत्तर

सम्पर्क: 0091-9988405075
ईमेल: r.kshastrisharma@ymail.com

- ३.१.१ इस विज्ञापन में क्या विज्ञापित किया गया है। उत्तर का कारण दीजिए। (२)
- ३.१.२ "विंता किस बात की जब हमारे पास है हर समस्या का समाधान"। इस वाक्य का अर्थ अपने शब्दों में समझाइए। (४)
- ३.१.३ "आर के शास्त्री" ये क्यों बड़े अक्षरों में हैं। (४)
- ३.१.४ किस किस का समाधान मिल सकते हैं। विज्ञापन से चुन कर लिखो। (४)
- ३.१.५ विज्ञापन जिंदगी के बारे में क्या कहते हैं। (२)
- ३.१.६ एक भावात्मक शब्द विज्ञापन से चुन कर लिखिए तथा उनका अर्थ भी बताई। (२)

३.२ निम्न चित्र को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए।



- ३.२.१ इस चित्र में आदमी क्या माँगते हैं और क्यों। उत्तर का कारण लिखिए। (२)
- ३.२.२ चित्र के अनुसार उत्तर लिखिए :
- ३.२.२.१ औषधकारख का चेहरा क्या बताते हैं (२)
- ३.२.२.२ आदमी क्या सोचते हैं। (२)
- ३.२.२.३ समाचार पत्र क्या बताते हैं। (२)
- ३.२.३ इस चित्र से क्या सन्देश मिलते हैं। (४)

(३०)

{७०}

Total: 70 marks